>

Title:Need to accord the status of a Central University to Kumaon University, Uttarakhand.

श्री बची सिंह रावत 'बचदा' (अल्मोड़ा) : महोदय, भारत सरकार के द्वारा अन्य विश्वविद्यालयों के साथ ही उत्तराखंड में स्थित हेमवन्ती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा देने का निर्णय लिया है और इस संबंध में केन्द्रीय विश्वविद्यालय विधेयक, 2008 को लोक सभा में दिनांक 23.10.2008 को प्रस्तुत किया गया है।

प्रारंभ में उत्तर प्रदेश राज्य के अंतर्गत एक ही विश्वविद्यालय उत्तराखंड विश्वविद्यालय के नाम से स्वीकृत था जिसे बाद में गढ़वाल व कुमाऊं के लिए अलग-अलग किया गया। उत्तराखंड राज्य दो भौगोलिक इकाइयों में बंटा है एक गढ़वाल दूसरा कुमाऊं। यह दोनों मंडल हैं। दोनों ही विश्वविद्यालयों का कार्य क्षेत्र अपने अपने मंडल तक सीमित है।

गढ़वाल विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा देने का सबने स्वागत किया है लेकिन साथ ही पूरे कुमायूं क्षेत्र की मांग है कि कुमाऊं विश्वविद्यालय को भी केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाये ताकि कुमाऊं क्षेत्र के साथ कोई अन्याय न हो तथा वहां के छात्रों को भी उच्चस्तरीय शिक्षा का लाभ मिल सके।

मैंने इस विषय को दिनांक 23.10.2008 को शून्य काल में उठाया था तथा केन्द्रीय विश्वविद्यालय विधेयक, 2008 में संशोधन कर कुमाऊं विश्वविद्यालय का नाम जोड़ने का अनुरोध भी सरकार से किया है। उत्तराखंड सरकार की ओर से भी इस कुमाऊं विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा देने हेतु प्रधानमंत्री जी व मानव संसाधन मंत्री जी को पत्र दिया गया है। परन्तु केन्द्र सरकार द्वारा कोई निर्णय नहीं लिये जाने से क्षेत्र की जनता में तीव्र रोष व्याप्त है।

अतः मैं मांग करता हूं कि कुमाऊं विश्वविद्यालय को भी केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाये और लंबित विधेयक में आवश्यक संशोधन किया जाये।